

संक्षिप्त समाचार

आखिरी बॉल तक हुए मुकाबले में वीसी इलेवन की शानदार जीत, भाषा विश्वविद्यालय में हुआ मैच

लखनऊ (एनडीएस संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज खेले गए एक रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में वीसी इलेवन ने रजिस्ट्रार इलेवन को 122 रन पर ऑल आउट कर शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला आखिरी



ओवर की आखिरी गेंद तक चला और दर्शकों की सांसें थामे रखने वाला रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए वीसी इलेवन ने निर्धारित 15 ओवरों में 125 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से शबीह हैदर ने सर्वाधिक रन बनाकर पारी को मजबूती दी, जबकि कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शानदार 35 रनों की अहम पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रजिस्ट्रार इलेवन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। हालांकि रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने जुझारू पारी खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन टीम जीत की दहलीज पर पहुंचने से पहले ही सिमट गई। मैच का निर्णायक क्षण तब आया जब आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर वीसी इलेवन के गेंदबाज मोहसिन हैदर ने रजिस्ट्रार इलेवन के अंतिम बल्लेबाज को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया और टीम को यादगार जीत दिलाई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस पूरे मैच के सफल आयोजन एवं दोनों टीमों के चयन में फिजिकल एजुकेशन विभाग के डॉ. मोहम्मद शारिक की अहम भूमिका रही। वहीं क्रिकेट पिच को बेहतर और खेल योग्य बनाने में इंजीनियर सार्थक का विशेष योगदान रहा, जिसकी सभी ने सराहना की। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. अजय तनेजा की पहल पर पहली बार भाषा विश्वविद्यालय में टीचिंग और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की मिश्रित टीमों का गठन किया गया। इस पहल से विश्वविद्यालय परिसर में आपसी समन्वय, खेल भावना और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। मैच के समापन पर खिलाड़ियों और दर्शकों ने इस रोमांचक मुकाबले की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।



لینگویج یونیورسٹی میں وی سی ایلون اور رجسٹرار ایلون کے درمیان دوستانہ کرکٹ مقابلہ

عمدہ کارکردگی سے شائقین کی بھرپور دوا وصول کی۔ سٹیج کے اختتام پر وائس چانسلر پروفیسر ایچے کھنجا نے اپنے بیان میں کہا کہ کھیل نہ صرف جسمانی صحت کے لیے ضروری ہیں بلکہ یہ نظم و ضبط، ٹیم ورک اور مثبت سوچ کو بھی فروغ دیتے ہیں۔ لینگویج یونیورسٹی میں اس طرح کی سرگرمیاں تعلیمی ماحول کو خوشگوار بنانے اور اساتذہ، انتظامیہ اور طلبہ کے درمیان مضبوط ربط قائم کرنے میں اہم کردار ادا کرتی ہیں۔ ہم آئندہ بھی اس طرح کے دوستانہ مقابلوں اور کھیلوں کی سرگرمیوں کو فروغ دیتے رہیں گے۔ رجسٹرار ڈاکٹر کیمیش کمار نے اپنے خطاب میں کہا کہ یونیورسٹی خاندان کے اساتذہ، افسران، ملازمین اور طلبہ کے درمیان اس نوعیت کی دوستانہ سرگرمیاں باہمی تعاون اور شمولیت کو نئی سمت عطا کرتی ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے مختلف شعبہ جات کے ذمہ داران، شعبہ جاتی سربراہان، اساتذہ کرام، افسران، ملازمین اور بڑی تعداد میں طلبہ موجود تھے۔ سٹیج نے اس کرکٹ مقابلے سے بھرپور لطف اٹھایا اور کھلاڑیوں کی حوصلہ افزائی کی۔

کھلاڑیوں نے بھرپور جوش و خروش کے ساتھ اپنی صلاحیتوں کا مظاہرہ کیا۔ اساتذہ، فیر تھریسی مٹل اور طلبہ کی بڑی تعداد نے میدان میں موجود رہ کر کھلاڑیوں کی حوصلہ افزائی کی۔ مقابلے کے دوران کھیل کے جذبے، ٹیم ورک اور باہمی احترام کی بہترین مثال دیکھنے کو ملی۔ وائس وی سی ایلون نے جیتا اور پہلے بیلے بازی کرنے کا فیصلہ کیا۔ مقررہ 14 اوورز کے سٹیج میں وی سی ایلون نے شاندار کارکردگی کا مظاہرہ کرتے ہوئے 125 رنز کا مضبوط اسکور قائم کیا جبکہ رجسٹرار ایلون کی ٹیم نے بھی صبر و تحمل اور جوش و خروش کے ساتھ کھیل پیش کیا اور آخری اوور تک مقابلے کو نہایت دلچسپ بنانے رکھا۔ سٹینی ٹیز لمحات سے بھرپور اس سٹیج میں رجسٹرار ایلون نے بھی 125 رنز بنا کر مقابلہ برابر کر دیا۔ دونوں ٹیموں کے کھلاڑیوں نے کھیلوں کی اعلیٰ روح اور ٹیم ورک کی بہترین مثال پیش کی۔ نمایاں کارکردگی دکھانے والے کھلاڑیوں میں شبیب حیدر اور موہت کو شاندار بیلے بازی پر جبکہ یوسف کو بہترین گیند بازی کے لیے خصوصی طور پر سراہا گیا۔ ان کھلاڑیوں نے اپنی



ہوا۔ اس سٹیج کا مقصد اساتذہ اور انتظامیہ کے درمیان باہمی ہم آہنگی، صحت مند طرز زندگی اور کھیلوں کے فروغ کو تقویت دینا تھا۔ سٹیج خوشگوار اور دوستانہ ماحول میں کھیلا گیا جہاں دونوں ٹیموں کے

لکھنؤ (پریس ڈیلیز):
خواجہ مشین الدین چنگی لینگویج یونیورسٹی کے کھیل میدان میں وائس چانسلر ایلون اور رجسٹرار ایلون کے درمیان ایک دوستانہ کرکٹ مقابلہ منعقد

سنگھ آل انڈیا پرائز منسی ہاکی ٹورنامنٹ کا آغاز

हिन्दु

वीसी इलेवन की रोमांचक जीत

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के मैदान में शुक्रवार को खेले गए रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में वीसी इलेवन ने धमाकेदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वीसी इलेवन ने 15 ओवर में 125 रनों का स्कोर बोर्ड पर टांगा। जवाब में रजिस्ट्रार इलेव की टीम 122 रन बना सकी। वीसी इलेवन की ओर से शबीह हैदर ने सर्वाधिक रन बनाये।

लखनऊ, 17 दिसंबर, 2025 दैनिक जागरण III

भारत बौद्धिक्स परीक्षा 31 जनवरी व एक फरवरी को, जीतें पुरस्कार



प्रो. अजय तनेजा, प्रो. जय शंकर पांडेय व अन्य ने पुस्तकों का विमोचन किया • विवि

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मंगलवार को विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की पहल 'भारत बौद्धिक्स' के अंतर्गत कला, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया। इस अवसर पर विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. जय शंकर पांडेय उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से संचालित 'भारत बौद्धिक्स' परीक्षा का

आयोजन भाषा व अपने विद्यार्थियों के लिए 31 जनवरी एवं एक फरवरी को करेगा। यह परीक्षा परिसर में ऑफलाइन मोड में होगी, जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। परीक्षा हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी। इसमें कुल 100 अंक का पेपर होगा, जिसमें 80 अंक बहुविकल्पीय प्रश्नों तथा 20 अंक वर्णनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। प्रवक्ता डा. रुचिता सुजाय ने बताया कि देश भर में इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार 25 हजार रुपये और चौथा पुरस्कार 2500 रुपये व प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

आखिरी बॉल तक हुए मुक़ाबले में वीसी इलेवन की शानदार जीत



अवधनामा व्यूरो

लखनऊ। ख़ाजा मुहंनुरीन चिस्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज खेले गए एक रोमांचक क्रिकेट मुक़ाबले में वीसी इलेवन ने रजिस्ट्रार इलेवन को 122 रन पर ऑल आउट कर शानदार जीत दर्ज की। यह मुक़ाबला आख़िरी ओवर की आख़िरी गेंद तक चला और दर्शकों की सांसें थामे रखने ख़ला रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए वीसी इलेवन ने निर्धारित 15 ओवरों में 125 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से शबीह हैदर ने सर्वाधिक रन

बनाकर पारी को मजबूती दी, जबकि कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शानदार 35 रनों की अहम पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्म का पीछा करने उत्तरी रजिस्ट्रार इलेवन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लगातार अंतराल पर क्रिकेट गिस्ते रहे। हालांकि रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने जुझारू पारी खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन टीम जीत की दहलीज़ पर पहुंचने से पहले ही सिमट गई। मैच का निर्णायक क्षण तब आया जब आख़िरी ओवर की आख़िरी गेंद पर वीसी इलेवन के गेंदबाज़ मोहसिन हैदर ने रजिस्ट्रार इलेवन के अंतिम

बल्लेबाज़ को बोल्ट कर फव्वेलियन भेज दिया और टीम को सादगार जीत दिलाई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस पूरे मैच के सफल आयोजन एवं दोनों टीमों के चयन में फिजिकल एजुकेशन विभाग के डॉ. मोहम्मद शारिक की अहम भूमिका रही। वहीं क्रिकेट पिच को बेहतर और खेल योग्य बनाने में इंजीनियर सार्थक का विशेष योगदान रहा, जिसकी सभी ने सराहना की। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. अजय तनेजा की पहल पर पहली बार भाषा विश्वविद्यालय में टीचिंग और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की मिश्रित टीमों का गठन किया गया। इस पहल से विश्वविद्यालय परिसर में आपसी समन्वय, खेल भावना और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। मैच के समापन पर खिलाड़ियों और दर्शकों ने इस रोमांचक मुक़ाबले की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

भाषा विवि ने बाल गृहों में शिक्षा सहयोग बढ़ाया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से ख्वाजा मोइनुद्दीन चिस्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा बाल सुधार गृहों के समुचित क्रियान्वयन एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से राजकीय बाल गृह (बालिका), सिंधी खेड़ा, लखनऊ तथा राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), मोहान रोड, लखनऊ का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बालिका गृह में हाईस्कूल एवं स्नातक स्तर पर अध्ययनरत बालिकाओं हेतु विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी सहित समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र एवं शिवाशास्त्र विषयों के क्वेश्चन बैंक एवं अलमारियों का वितरण किया गया। वहीं किशोर संप्रेक्षण गृह में बच्चों की स्वनात्मकता को बढ़ावा



देने हेतु ड्राइंग बुक्स एवं रैक्स कलर वितरित किए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विधिक सहायता में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेश कुमार (कुलसचिव), डॉ. विकास (परीक्षा नियंत्रक), डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी (विभागाध्यक्ष, विधि अध्ययन संकाय) सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं शिक्षकों ने बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के महत्व से अवगत कराया।

لینکونج یونیورسٹی کے فیکلٹی آف فارمیسی میں ایچ پی وی کی ٹیکہ کاری



ایچ پی وی کا ٹیکہ لگوانے والی طالبہ طبی ٹیم کے ساتھ

کے فوائد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ سروائیکل کینسر خواتین میں پائے جانے والے سب سے زیادہ خطرناک امراض میں سے ایک ہے، اور اس کی بنیادی وجہ ہیومن پیپیلوما وائرس (ایچ پی وی) کا انفیکشن ہے۔ بد قسمتی سے بہت سی خواتین اس وائرس کے بارے میں لاعلم رہتی ہیں اور بروقت ویکسینیشن نہ ہونے کی وجہ سے یہ مرض شدید صورت اختیار کر لیتا ہے۔ خوش آئند بات یہ ہے کہ آج میڈیکل سائنس نے ہمیں ایسی موثر ویکسین فراہم کر دی ہے جو اس وائرس کے خلاف مضبوط مدافعت پیدا کرتی ہے اور مستقبل میں سروائیکل کینسر کے خطرے کو نمایاں طور پر کم کرتی ہے۔

لکھنؤ (پریس ریلیز): خواجہ معین الدین چشتی لینکونج یونیورسٹی کے فیکلٹی آف فارمیسی کی جانب سے سروائیکل کینسر کی روک تھام کے لئے منعقدہ مفت ایچ پی وی (ایچ پی وی) ویکسینیشن مہم کے تحت یونیورسٹی کی طالبات کو ایچ پی وی ویکسین کی دوسری ڈوز فراہم کی گئی۔ یہ ویکسینیشن مہم اتر پردیش کی گورنر اور یونیورسٹی کی چانسلر آئنڈی بین پٹیل کی سرپرستی اور یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے تنجیا کی رہنمائی میں چلائی

گئی۔ ایچ پی وی ویکسین کی پہلی ڈوز ۱۱ اکتوبر ۲۰۲۵ء کو یونیورسٹی کیمپس میں واقع اہل ہال میں دی گئی تھی جس میں ۲۶ تا ۱۵ سال کی عمر کی ۳۵ طالبات نے حصہ لیا تھا۔ مقررہ وقفہ مکمل ہونے کے بعد جمعرات کی صبح ۱۱ بجے تمام طالبات کو دوسری ڈوز دی گئی۔ اس موقع پر فیکلٹی آف فارمیسی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر شالین تریپاٹھی، فیکلٹی ممبران اور طبی عملے کی ٹیم موجود رہی۔ پروگرام کے دوران طالبات کو ایچ پی وی وائرس، سروائیکل کینسر کے خطرات اور ویکسینیشن کی اہمیت سے بھی آگاہ کیا گیا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے ناظم امتحانات اور کارگزار رجسٹرار وکاس نے اس بیماری کی وجوہات اور ویکسینیشن

भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं गैर-शिक्षण मिश्रित क्रिकेट टीम का गठन

● कुलपति प्रो. अजय तनेजा के नेतृत्व में खेल संस्कृति को नई दिशा

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं गैर-शिक्षण मिश्रित क्रिकेट टीम का गठन, कुलपति प्रो. अजय तनेजा के नेतृत्व में खेल संस्कृति को नई दिशा ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में पहली बार शिक्षण एवं गैर-शिक्षण वर्ग के सहयोग से मिश्रित टेनिस बॉल क्रिकेट (पुरुष) टीम का गठन किया गया है। यह पहल विश्वविद्यालय परिवार में खेल भावना, आपसी सौहार्द और टीम-स्पिरिट को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस सराहनीय निर्णय का पूरा श्रेय कुलपति प्रो. अजय तनेजा को जाता है, जिनकी प्रेरणा, प्रोत्साहन और दूरदर्शी



नेतृत्व ने विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को नई दिशा प्रदान की है। इस टीम के गठन से शिक्षकों व कर्मचारियों में उत्साह की नई लहर देखने को मिली है। टीम के चयन में डॉ. शारिक और डॉ. मेहंदी ने चयन समिति के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों चयनकर्ताओं ने सभी खिलाड़ियों का निष्पक्ष मूल्यांकन

करते हुए सर्वश्रेष्ठ टीम का गठन सुनिश्चित किया। चयनित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है: मोहित कुमार, डॉ. मूसा रजा, मृणाल झा, मोहम्मद आसिफ, डॉ. मिनहाज हुसैन, शबिह हैदर, राजेन्द्र राव, सुधीर कुमार, ललित कुमार, विवेक शुक्ला, कृष्णा मुकुन्द, रवीकेश मौर्या, शमीम अजहर, रणवीर सिंह, डॉ. बलराम,

यूसुफ हसन, सुमित कुमार, मोहम्मद हुदा, अखिलेश शर्मा, मोहसिन हैदर विश्वविद्यालय परिवार को भरोसा है कि यह टीम उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाएगी। सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।



भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं गैर- शिक्षण मिश्रित क्रिकेट टीम का गठन

□ कुलपति प्रो. अजय तनेजा
के नेतृत्व में खेल संस्कृति को
नई दिशा

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में पहली बार शिक्षण एवं गैर-शिक्षण वर्ग के सहयोग से मिश्रित टेनिस बॉल क्रिकेट (पुरुष) टीम का गठन किया गया है। यह पहल विश्वविद्यालय परिवार में खेल भावना, आपसी सौहार्द और टीम-स्परिट को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सराहनीय निर्णय का पूरा श्रेय कुलपति प्रो. अजय तनेजा को जाता है, जिनकी प्रेरणा, प्रोत्साहन और दूरदर्शी नेतृत्व ने विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को नई दिशा प्रदान की है। इस टीम के गठन से शिक्षकों व कर्मचारियों में उत्साह की नई लहर देखने को मिली है। टीम के चयन में डॉ. शारिक और डॉ. मेहंदी ने चयन समिति



के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों चयनकर्ताओं ने सभी खिलाड़ियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए सर्वश्रेष्ठ टीम का गठन सुनिश्चित किया। चयनित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है: 1. श्री मोहित कुमार, 2. डॉ. मूसा रजा 3. श्री मृणाल झा 4. श्री मोहम्मद आसिफ 5. डॉ. मिनहाज हुसैन 6. श्री शबिह हैदर 7. श्री राजेन्द्र राव 8. श्री सुधीर कुमार 9. श्री ललित कुमार 10. श्री विवेक शुक्ला 11. श्री कृष्णा मुकुन्द 12. श्री

रवीकेश मौर्या 13. श्री शमीम अजहर 14. श्री रणवीर सिंह 15. डॉ. बलराम 16. श्री यूसुफ हसन 17. श्री सुमित कुमार 18. श्री मोहम्मद हुदा 19. श्री अखिलेश शर्मा 20. मोहसिन हैदर। विश्वविद्यालय परिवार को भरोसा है कि यह टीम उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाएगी। सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

आयोजन

ख्वाजा मुहंनुद्दीन विश्वी भाषा विश्वविद्यालय में पर्यावरण को लेकर हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में अरुणिमा, डॉ. सुदीप्ति ने जीता पहला पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ख्वाजा मुहंनुद्दीन विश्वी भाषा विश्वविद्यालय में पर्यावरण को लेकर हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का रविवार को समापन हो गया। पर्यावरण विषय पर ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण में अरुणिमा सिंह और जेन डेन आई.टी. कॉलेज लखनऊ और डॉ. सुदीप्ति आर. श्रीवास्तव के. जी.एम.यू. लखनऊ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऑफलाइन वाचिक प्रस्तुति में फातिमा खुशीद और दाम्नी सिंह पहले स्थान पर रहे। ये आयोजन न केवल पर्यावरणीय संकट पर वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया बल्कि समाज, पर्यावरण और शिक्षा जगत की भूमिका पर भी गहन विमर्श की दिशा को नया स्वर दिया।

समापन समारोह की संयोजक डॉ. जलिनो मिश्रा ने अतिथियों को शील



कॉन्फ्रेंस में पर्यावरणविदों को सम्मानित करते कुलपति।

और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद कार्यक्रम के कार्य वृत्त का संकलन विधि संकाय को सहायक प्रोफेसर डॉ. श्वेता त्रिवेदी ने किया। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, मानव अस्तित्व की मूलभूत शर्त बन चुका है। शिक्षा संस्थानों को ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जहां युवा पीढ़ी

पर्यावरणीय संवेदनशीलता के साथ वैचारिक नेतृत्व प्रदान करे। नरीरा से आए वैज्ञानिक डॉ. चाईपो गैतम ने कहा कि समाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण अध्ययन, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों को जोड़ने में एक सेतु की भूमिका निभ सकते हैं। डॉ. संदीप सिंह, चेयरमैन, इसीआरडी रिसर्च एंड एजुकेशन काउंसिल, हरियाणा ने कहा कि हमें शोध में

भौलिकता को रखना चाहिए साथ ही आपने कहा कि कद, कॉपी, पेस्ट से बचना चाहिए। डॉ. संजय प्रसाद गुप्ता, वैज्ञानिक, एनआरएलसी ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के बचाव के लिए समाज को आगे आना होगा। डॉ. सोमेश गुप्ता, सीनियर टेविनकल ऑफिसर ने अपने संबोधन में कहा कि यहां पर प्राप्त ज्ञान को समाज में ले जा सकते हैं।

इनको मिले पुरस्कार

ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण में अरुणिमा सिंह प्रथम, डॉ. चिनायक के.एस. द्वितीय, दिव्या चौवरी तृतीय स्थान स्थान पर रहे। पोस्टर प्रस्तुति में जेनडेन आई.टी. कॉलेज लखनऊ व डॉ. सुदीप्ति आर. श्रीवास्तव के.जी.एम.यू. लखनऊ पहले, नेहा शुक्ला आई.टी. कॉलेज कानपुर दूसरे और स्नेह त्रिवेदी डॉ.जी.पी.जी. कॉलेज कानपुर तीसरे स्थान पर रही। गुलाम अहमद सिद्दीकी, स्वाति पटेल को संताना पुरस्कार दिया गया। ऑफलाइन वाचिक प्रस्तुति में फातिमा खुशीद दाम्नी सिंह प्रथम, अर्पिता बरनवाल द्वितीय और रवींद्र सिंह, शास्वत सिंह तृतीय स्थान रहे। मैका श्रीवास्तव, निशात फातिमा को सांवना पुरस्कार मिला।

छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की दी गई दूसरी खुराक



अवधानामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मैसी संकाय द्वारा आयोजित सर्वाङ्कल कैंसर की रोकथाम हेतु निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत आज 11 दिसंबर को छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की दूसरी खुराक प्रदान की गई। यह टीकाकरण अभियान उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय

तनेजा के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एचपीवी टीकाकरण की प्रथम खुराक 11 अक्टूबर 2025 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल हॉल में प्रदान की गई थी, जिसमें 15 से 26 वर्ष आयु वर्ग की 35 छात्राओं ने भाग लिया था। निर्धारित अवधि पूर्ण होने के उपरांत आज प्रातः 11 बजे सभी छात्राओं को दूसरी खुराक दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मैसी संकाय की निदेशक डॉ. शालिनी त्रिपाठी, संकाय सदस्यों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम उपस्थित रही।

फार्मैसी संकाय ने कराया एचपीवी वैक्सीन का दूसरा चरण, छात्राएं लाभान्वित

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। खाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फार्मैसी संकाय द्वारा आयोजित सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु निःशुल्क एचपीवी (HPV) टीकाकरण अभियान के तहत आज 11 दिसंबर 2025 को छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की दूसरी खुराक प्रदान की गई। यह टीकाकरण अभियान उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति

श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एचपीवी टीकाकरण की प्रथम खुराक 11 अक्टूबर 2025 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल हॉल में प्रदान की गई थी, जिसमें 15 से 26 वर्ष आयु वर्ग की 35 छात्राओं ने भाग लिया था। निर्धारित अवधि



पूर्ण होने के उपरांत आज प्रातः 11 बजे सभी छात्राओं को दूसरी खुराक दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मैसी संकाय की निदेशक डॉ. शालिनी त्रिपाठी, संकाय सदस्यों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को एचपीवी वायरस, सर्वाइकल कैंसर के जोखिम एवं टीकाकरण के महत्व

जीवन-रक्षक उपाय के रूप में अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया और ऐसे अभियानों की निरंतरता की आवश्यकता पर बल दिया। फार्मैसी संकाय द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को रोग-निरोधक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना और कैंसर-रोकथाम के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है।

से अवगत भी कराया गया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक (COE) एवं वर्तमान में रजिस्ट्रार का पदभार संभाल रहे श्री विकास की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायी बनाया। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य-जागरूकता एवं नियमित टीकाकरण को



لینگویج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے عنوان سے دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کیلئے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر ونے پال انیجا

لینگویج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے عنوان سے دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد ہوا۔ اس موقع پر پروفیسر ونے پال انیجا نے کہا کہ گلوبل وارمنگ اور دیگر ماحولیاتی تبدیلیوں نے کرہ ارض کیلئے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔

انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔



لینگویج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے عنوان سے دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد ہوا۔ اس موقع پر پروفیسر ونے پال انیجا نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔

شیخ العالم کانفرنس اور جلسہ دستار بندی بحسن و خوار

چہ طلبہ کو سند و دستار، متعدد شخصیات شیخ العالم اب



شیخ العالم کانفرنس اور جلسہ دستار بندی بحسن و خوار کا انعقاد ہوا۔ اس موقع پر شیخ العالم کے سربراہ نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔

انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔

انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی تبدیلیوں کے باعث زمین کی سطح پر درجہ حرارت بڑھ رہی ہے اور اس کے نتیجے میں ماحولیاتی بحران کا سامنا کرنا پڑ رہا ہے۔

December 2025

लखनऊ, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

07

प्रो. अजय को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लखनऊ। केएमसी भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला है। यह अवार्ड उन्हें ईसीआरडी रिसर्च एजुकेशन कॉउंसिल की ओर से दिया गया है। उन्होंने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2025 भाषा विवि में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में हासिल है।

अमर उजाला

स्पोर्ट्स डायरी

वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए भाषा विवि की टीम तैयार



लखनऊ। हरियाणा के महेन्द्रगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में नौ से 12 दिसंबर तक प्रस्तावित वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए भाषा विश्वविद्यालय की टीम तैयार है। मुदस्सर अली कप्तान और दिव्यांशु उप कप्तान हैं। टीम के अन्य खिलाड़ियों में आकाश रावत, साहिल सिंध, आयुष सिंह पटेल, मो. रेयान, समीर अहमद, ऋषभ कुमार, वैभव पुरी, राजन यादव और मो. शरीफ हैं। विवि के क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ला व सचिव मोहम्मद शारिक ने बताया कि टीम कुलपति प्रो. अजय तनेजा की मौजूदगी में रविवार को महेन्द्रगढ़ के लिए रवाना होगी। (संवाद)

موسمیاتی تبدیلی سے بڑے شہروں میں بڑھے چیلنج: دیاشنکر سنگھ ماحولیات کے مدعے پر پوری دنیا میں اتفاق رائے قائم کرنا ضروری: وائس چانسلر خواجہ یونیورسٹی

ہائے۔ وزیر نے کہا کہ ڈیزل بسیں ماحولیاتی نقصان کا باعث بنتی ہیں۔

اس لیے انہوں نے اپنے جلسے میں الیکٹریک بسوں کی تعداد بڑھانے کا فیصلہ کیا۔ لکھنؤ میں ماحولیاتی معیار میں بہتری کی ایک بڑی وجہ الیکٹریک بسوں کی تعداد میں اضافہ ہے۔ اب تک صرف 15 شہروں میں الیکٹریک بسیں چلتی ہیں۔ اب ان کی تعداد بڑھ کر 43 ہوئی ہے۔ جلد ہی یہ بسیں ریاست کے کئی اضلاع میں چلانا شروع ہو جائیں گی۔ اس موقع پر وائس چانسلر پر وائس چانسلر نے کہا کہ ماحولیاتی مسائل پر پوری دنیا میں اتفاق رائے پیدا کرنا ضروری ہے۔ وائس چانسلر نے دنیا بھر سے سینار میں شرکت کیلئے آنے والے مندو جن کو خوش آمد پر کہا۔ پبلک سروس کمیشن کے رکن اسے کے دو ماہے کہا کہ بسیں ماحولیاتی جیسے مسائل پر عالمی سطح پر مل جل کر چلنے پر پابندی پانا ہوگی۔ مقامی سطح پر کام کرنا ہوگا اور نظریاتی سطح پر بیماری پیدا کرنی ہوگی۔



لکھنؤ (ہمہ نگار)۔ خواجہ معین الدین چشتی لکھنؤ یونیورسٹی میں ساتویں بین الاقوامی سیمینار 'ان الائنڈ ایئر سوسائٹی (آئی سی ای ایس) - 2025' کا افتتاح کیا گیا۔ سیمینار کا افتتاح کر کے ریاستی وزیر ٹرانسپورٹ ویاشنکر سنگھ نے کہا کہ موسمیاتی تبدیلی نے شہروں میں چیلنجوں کو بڑھا دیا ہے۔ اس لیے بسیں ماحولیاتی کو بہتر بنانے کیلئے موثر اقدامات کرنے چاہئیں۔ وزیر ٹرانسپورٹ نے کہا کہ گزشتہ 200 برسوں میں ماحولیاتی انقلاب نے سب سے زیادہ ماحولیاتی نقصان پہنچایا ہے۔ چھوٹی کوششیں بڑی تبدیلیاں لائیں ہیں، اس لیے ہمیں ابھی سے قدم اٹھانا

لینگویج یونیورسٹی میں ”ماحولیات اور معاشرہ“ کے عنوان سے دورزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لیے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر ونے پال انیجا



پال انیجا (این سی اے ایٹ یونیورسٹی امریکہ) اور روزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں نہایت نصیرت افروز خطاب کرتے ہوئے دنیا میں بڑھتی ہوئی فطرتی آلودگی، اس کے شدید نقصانات اور ماحولیاتی تبدیلی کے بڑھتے ہوئے خطرات پر مباحث حاصل گفتگو کی۔ انھوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ فطرتی آلودگی آج صرف ایک ماحولیاتی مسئلہ نہیں رہا بلکہ صحت، معیشت، ذریعہ پیداوار، شہری زندگی اور عالمی پائیداری کے لیے ایک جھجک بھرتی بن چکا ہے۔ صنعتی ترقی، گاڑیوں کا بڑھتا ہوا استعمال، فوسل فیول کا بے تحاشا جلاؤ، جنگلات کی کٹائی، اور شہری توسیع نے فطرتی آلودگی کی شدت میں بے حد اضافہ کر دیا ہے۔ پروفیسر انیجا نے بتایا کہ دنیا کے کئی بڑے خطے خصوصاً جنوبی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ، آج ہی 5، 2، 5 اور 10 فی ایم 10 جیسے ذرات کی بلند ترین سطح کا شکار ہیں جو انسانی جسم میں داخل ہو کر سانس کی نالیوں، دل کے عوارض، پیچھے پھروں کے

سرطان، نمل، اذیت اموات اور بچوں کی نشوونما میں رکاوٹ جیسے خطرناک اثرات کا باعث بنتے ہیں۔ انھوں نے کہا کہ عالمی سطح پر ہر سال انھوں انسان فطرتی آلودگی کے نتیجے میں اپنی جان سے ہاتھ دھو بیٹھتے ہیں، جو اس مسئلے کی سنگینی کو مزید واضح کرتا ہے۔ انھوں نے اس بات پر بھی زور دیا کہ فطرتی آلودگی اور موسمیاتی تبدیلی ایک دوسرے سے گہرا تعلق رکھتے ہیں۔ کیسوں کے اثرات، گرمیت کے بڑھتے ہوئے رجحان اور موسمیاتی بے ترتیبی سے گزرتے آؤں کے لیے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے۔ اس کانفرنس کے مہمان ذہنی وقار ڈاکٹر اے۔ کے اور بالارن انڈین پبلک سیکھٹی نے اپنی گفتگو میں اس حقیقت پر گہری روشنی ڈالی کہ ماحولیات کھل ایک سماجی مسئلہ نہیں بلکہ انسانی تادمعاشرتی ترقی اور اقتصادی استحکام کا بنیادی ستون ہے۔ ان کے مطابق اس ہارک اور صاف موضوع سے غفلت کے لیے نین سٹونوں کی عالمی، قومی اور مقامی پر مریض اور ہم آہنگ کوششیں ضروری

معاشرے کی ساخت، رجحان اور طرز زندگی کو متاثر کرتی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ ماہرین انسانیات، سماجی سائنس دان، پالیسی ساز، سائنس دان اور محققین مل کر مشترکہ طور پر حل کی تلاش کریں۔ انھوں نے مزید کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد علمی مکالمے کو فروغ دینا، نئی تحقیق کو سامنے لانا، عالمی شعور پیدا کرنا اور ماحول، زبان اور معاشرت کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا ہے۔ پروفیسر انیجا نے اس بات پر بھی زور دیا کہ ماحولیات سے متعلق مہارتیں صرف سائنسی سطح تک محدود نہیں رہنے چاہئیں، بلکہ ان کا معاشرتی رجحان، ثقافتی تناظر، زبانوں کے ارتقا اور انسانی نفسیات سے بھی گہرا ربط ہے۔ استقبال خطاب کے اختتام پر انھوں نے امید ظاہر کی کہ یہ دو روزہ کانفرنس بین الاقوامی تعاون کو مضبوط کرے گی، نئی تحقیق کے دروازے کھولے گی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے عرصہ دراز سے جاری سائنسی سفارشات سامنے آئیں گی۔ اس کانفرنس کے صدر

لکھنؤ، 06 ستمبر 2025: خواجہ مصعبین الدین لینگویج یونیورسٹی میں ”ماحولیات اور معاشرہ“ کے موضوع پر دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاندار آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف ممالک اور ہندوستان کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبے نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر ایسے نیجا نے استقبالی کلمات چن چن کر کے ہونے تمام مہمانانِ گرامی، محققین اور شرکاء کا تہ دل سے استقبال کیا۔ انھوں نے مہمانوں کی آمد پر خوشیاں ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجود عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات نہ صرف ایک سماجی مسئلہ ہے بلکہ ایک سماجی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آپ وہاں کی تبدیلی، مشکلات کی تیزی سے سنبھالی، آئی ویسٹ کی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی

لینگویج یونیورسٹی میں "ماحولیات اور معاشرہ" کے عنوان سے دورزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لیے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر نے پال انیجا

ہم آجنگ کو پیشین ضروری ہیں۔ مہمان خصوصی اور اتر پردیش سرکار کے وزیر ٹرانسپورٹ دیا شکر سنگھ نے کہا کہ گذشتہ دو سو برسوں میں صنعتی انقلاب نے ماحول کو سب سے زیادہ نقصان پہنچایا۔ انہوں نے بتایا کہ ڈیزل انجین آلودگی کی سب سے بڑی وجہ ہیں، اسی بنا پر محکمہ ٹرانسپورٹ الیکٹریک بسوں کی تعداد میں تیزی سے اضافہ کر رہا ہے۔ انہوں نے بتایا کہ پچھلے سال میں 43 کروڑ 43 لاکھ گاڑیاں تیار ہوئی ہیں۔ اس کے علاوہ اتر پردیش میں الیکٹریک بسوں کی تعداد میں تیزی سے اضافہ ہو رہا ہے۔ انہوں نے اس تبدیلی کو کھنٹو میں فضا کی معیار کی بہتری کی اہم وجہ قرار دیا۔ اس کانفرنس کے دوسرے اجلاس میں مختلف جامعات سے آئے ہوئے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کیا جس میں اس موضوع کے تعلق سے نئے ماحول کو اٹھایا گیا۔ اس کانفرنس کی نظامت ڈاکٹر شری شرا اور شکر سنگھ نے کی۔ ان کے علاوہ اتر پردیش میں یونیورسٹی کے اساتذہ اور طلبہ نے بڑھ چڑھ حصہ لیا۔

دورازے کھولے گی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے فوسن تھاپا یز اور عملی سفارشات سامنے آئیں گی۔ اس کانفرنس کے صدر وائے پال انیجا (این ای ایسٹ یونیورسٹی امریکہ) کو دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں نہایت بصیرت افروز خطاب کرتے ہوئے دنیا میں برہتی فضا کی آلودگی، اس کے شدید نقصانات اور ماحولیاتی تبدیلی کے بڑھتے ہوئے خطرات پر سیر حاصل کھنٹو کی انہوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ فضا کی آلودگی آج صرف ایک ماحولیاتی مسئلہ نہیں رہا بلکہ صحت، معیشت، زرعی پیداوار، شہری زندگی اور عالمی پائیداری کے لیے ایک پیچیدہ چیلنج بن چکا ہے۔ فضا کی آلودگی کا بڑھتا ہوا استعمال، فوسل فیول کا بے تحاشا جلاؤ، جنگلات کی کٹائی، اور شہری توسیع نے فضا کی آلودگی کی شدت میں بے حد اضافہ کر دیا ہے۔ پروفیسر انیجا نے بتایا کہ دنیا کے کئی بڑے خطے خصوصاً جنوبی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ، آج ہی ایم 2.5 اور بی ایم 10 سے زرات کی بلند ترین سطح کا شکار ہیں



زندگی کو متاثر کر رہی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ ماہرین لسانیات، سماجی سائنس دان، پالیسی ساز، سائنس دان اور محققین مل کر مشترکہ طور پر حل کی تلاش کریں۔ انہوں نے مزید کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد علمی مکالمے کو فروغ دینا، نئی تحقیق کو سامنے لانا، سماجی شعور پیدا کرنا اور ماحول، زبان اور معاشرے کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا

لکھنؤ، 06 دسمبر 2025 (فٹرنیٹ)، خواجہ معین الدین لینگویج یونیورسٹی میں "ماحولیات اور معاشرہ" کے موضوع پر دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاندار آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف سماجی اور ہندوستان کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبہ نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر ایچ تیجانے افتتاحی کلمات پیش کرتے ہوئے تمام مہمانان گرامی، محققین اور شرکاء کا تہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر شرا نے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات صرف ایک سائنسی مسئلہ بلکہ ایک سماجی، معاشی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آب و ہوا کی تبدیلی، جنگلات کی تیزی سے کٹائی، آبی وسائل کی کمی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی معاشرے کی صحت، رویوں اور طرز

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لئے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر و نپال انیجا لینگوتج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے عنوان سے دورزہ بین الاقوامی کانفرنس

لکھنؤ: خواجہ معین الدین لینگوتج یونیورسٹی میں "ماحولیات اور معاشرہ" کے موضوع پر دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاندار آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف ممالک اور ہندوستان کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین لسانیات، سماجی سائنس دان، پالیسی ساز، سائنس دان اور محققین مل کر مشترکہ طور پر حل کی تلاش کریں۔ انھوں نے مزید کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد علمی مکالمے کو فروغ دینا، نئی تحقیق کو سامنے لانا، سماجی شعور پیدا کرنا اور

اس کانفرنس کے صدر و نپال انیجا (این سی ایٹ یونیورسٹی امریکہ) دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں نہایت بصیرت افروز خطاب کرتے ہوئے دنیا میں بڑھتی ہوئی فضائی آلودگی، اس کے شدید نقصانات اور ماحولیاتی تبدیلی کے بڑھتے ہوئے خطرات پر سیر حاصل گفتگو کی۔ انھوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ فضائی آلودگی آج صرف ایک ماحولیاتی مسئلہ نہیں رہا بلکہ صحت، معیشت، زرعی پیداوار، شہری زندگی اور



ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبہ نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے۔ تیجانیہ نے استقبالیہ کلمات پیش کرتے

عالمی پائیداری کے لیے ایک پیچیدہ چیلنج بن چکا ہے۔ صنعتی ترقی، گاڑیوں کا بڑھتا ہوا استعمال، فوسل فیول کا بے تحاشا جلاؤ، جنگلات کی کٹائی، اور شہری توسیع نے فضائی آلودگی کی شدت میں بے حد اضافہ کر دیا ہے۔ پروفیسر انیجا نے بتایا کہ دنیا کے کئی بڑے خطے، خصوصاً جنوبی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ، آج پی ایچ 2.5 اور پی ایچ 10 جیسے ذرات کی بلند ترین سطح کا شکار ہیں جو انسانی جسم میں داخل ہو کر سانس کی پیاریوں، دل کے عوارض، پیچیدہ دلوں کے سرطان، قتل از وقت اموات اور بچوں کی نشوونما میں رکاوٹ جیسے خطرناک اثرات کا باعث بنتے ہیں۔

ماحول، زبان اور معاشرت کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا ہے۔ پروفیسر اے تیجانیہ نے اس بات پر بھی زور دیا کہ ماحولیات سے متعلق مباحثے صرف سائنسی سطح تک محدود نہیں رہنے چاہئیں، بلکہ ان کا معاشرتی رویوں، ثقافتی تناظر، زبانوں کے ارتقا اور انسانی نفسیات سے بھی گہرا ربط ہے۔ استقبالیہ خطاب کے اختتام پر انہوں نے امید ظاہر کی کہ یہ دوروزہ کانفرنس بین الاقوامی تعاون کو مضبوط کرے گی، نئی تحقیق کے دروازے کھولے گی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے شعور تیار کرے اور علمی سفارشات سامنے آئیں گی۔

ہوئے تمام مہمانان گرامی، محققین اور شرکاء کا تہہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات نہ صرف ایک سائنسی مسئلہ ہے بلکہ ایک سماجی، معاشی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آب و ہوا کی تبدیلی، جنگلات کی تیزی سے کٹائی، آبی وسائل کی کمی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی معاشرے کی ساخت، رویوں اور طرز زندگی کو متاثر کر رہی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لئے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر نے پال اینجا لیگنوج یونیورسٹی میں ماحولیات اور معاشرہ کے عنوان سے دورزہ بین الاقوامی کانفرنس

لکھنؤ: خواجہ معین الدین لیگنوج یونیورسٹی میں "ماحولیات اور معاشرہ" کے موضوع پر دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاعر آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف ممالک اور ہندوستان کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبہ نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اچے نیجانے استقبالیہ کلمات پیش کرتے ہوئے تمام مہمانانِ گرامی، محققین اور شرکاء کا تہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات نہ صرف ایک سائنسی مسئلہ ہے بلکہ ایک سماجی، معاشی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آج وہاں کی تبدیلی، جنگلات کی تیزی سے کٹائی، آبی وسائل کی کمی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی معاشرے کی ساخت، رویوں اور طرز زندگی کو متاثر کر رہی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ

ماہرین لسانیات، سماجی سائنس دان، پالیسی ساز، سائنس دان اور محققین مل کر مشترکہ طور پر حل کی تلاش کریں۔ انہوں نے مزید کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد علمی مکالمے کو فروغ دینا، نئی تحقیق کو سامنے لانا، سماجی شعور پیدا کرنا اور اس کانفرنس کے صدور نے پال اینجا (این سی ایٹھ یونیورسٹی امریکہ) دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں نہایت بصیرت افروز خطاب کرتے ہوئے دنیا میں بڑھتی ہوئی فضائی آلودگی، اس کے شدید نقصانات اور ماحولیاتی تبدیلی کے بڑھتے ہوئے خطرات پر سیر حاصل گفتگو کی۔ انہوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ فضائی آلودگی آج صرف ایک ماحولیاتی مسئلہ نہیں رہا بلکہ صحت، معیشت، زرعی پیداوار، شہری زندگی اور



عالمی پائیداری کے لیے ایک پیچیدہ چیلنج بن چکا ہے۔ صنعتی ترقی، گاڑیوں کا بڑھتا ہوا استعمال، فوسل فیول کا بے تحاشا جلاؤ، جنگلات کی کٹائی، اور شہری توسیع نے فضائی آلودگی کی شدت میں بے حد اضافہ کر دیا ہے۔ پروفیسر اینجانے بتایا کہ دنیا کے کئی بڑے خطے، خصوصاً جنوبی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ، آج پی ایم 2.5 اور پی ایم 10 جیسے ذرات کی بلند ترین سطح کا شکار ہیں جو انسانی جسم میں داخل ہو کر سانس کی بیماریوں، دل کے عوارض، پیپہردوں کے سرطان، قبل از وقت اموات اور بچوں کی نشوونما میں رکاوٹ جیسے خطرناک اثرات کا باعث بنتے ہیں۔

ماحول، زبان اور معاشرت کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا ہے۔ پروفیسر اچے نیجانے اس بات پر بھی زور دیا کہ ماحولیات سے متعلق مباحثے صرف سائنسی سطح تک محدود نہیں رہنے چاہئیں، بلکہ ان کا معاشرتی رویوں، ثقافتی تناظر، زبانوں کے ارتقا اور انسانی نفسیات سے بھی گہرا ربط ہے۔ استقبالیہ خطاب کے اختتام پر انہوں نے امید ظاہر کی کہ یہ دوروزہ کانفرنس بین الاقوامی تعاون کو مضبوط کرے گی، نئی تحقیق کے دروازے کھولے گی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے شوق تجاویز اور عملی سفارشات سامنے آئیں گی۔

ہوئے تمام مہمانانِ گرامی، محققین اور شرکاء کا تہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات نہ صرف ایک سائنسی مسئلہ ہے بلکہ ایک سماجی، معاشی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آج وہاں کی تبدیلی، جنگلات کی تیزی سے کٹائی، آبی وسائل کی کمی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی معاشرے کی ساخت، رویوں اور طرز زندگی کو متاثر کر رہی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ

لینگویج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے عنوان سے دوروزہ بین الاقوامی کانفرنس کا انعقاد

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لیے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر ونے پال انجیا



گھنٹی (قومی بھارت) خواجہ مسیح الدین لینگویج یونیورسٹی میں 'ماحولیات اور معاشرہ' کے موضوع پر دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاندار آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف ممالک اور بلحاظوں کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبہ نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر ایسے چھانے نے استقبال کلمات پیش کرتے ہوئے تمام مہمانان گرامی، محققین اور شرکاء کا تہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ

کرہا کے نئی بڑے نئے مہمسا انونی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ آج اپنی اہم 2025ء کی اہم 10 جیسے اوقات کی بلند ترین سطح کا آغاز ہے جو انسانی جسم میں داخل ہو کر سانس کی چاروں اہل کے عموماً، پیچھے ہڑوں کے سرطان، گل از وقت اموات اور بچوں کی لٹو، نما میں نکاوت نیسے خطرناک اثرات کا باعث بنتے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ عالمی سطح پر ہر سال لاکھوں انسان لسانی آلودگی کے نتیجے میں اپنی جان سے ہاتھ دھریسے ہیں، جو اس مسئلہ کی گھنٹی کو مزید داغ کرتا ہے۔ انہوں نے اس بات پر بھی زور دیا کہ لسانی آلودگی اور موسمیاتی تبدیلی ایک دوسرے سے گہرا تعلق رکھتے ہیں۔ گیسوں کے اخراج، کریمت کے بڑھتے ہوئے رخمان اور موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لیے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے۔ اس کانفرنس کے مہمان ڈی واکر ڈاکٹر ایس کے واکر، ڈکن اتر پرائیٹ پبلک کیمپن نے اپنی گفتگو میں اس حقیقت پر گہری روشنی ڈالی کہ ماحولیات میں ایک سائنسی مسئلہ نہیں بلکہ انسانی جہد، معاشرتی ترقی اور اقتصادی استحکام کا بنیادی ستون ہے۔

ان کا معاشرتی رویوں، اخلاقی تناظر، زبانوں کے ارتقا اور انسانی نفسیات سے بھی گہرا تعلق ہے۔ استقبال خطاب کے اختتام پر انہوں نے امید ظاہر کی کہ یہ دو روزہ کانفرنس بین الاقوامی تعاون کو مضبوط کرے گی، نئی تحقیق کے

اجلاس میں مختلف جامعات سے آئے ہوئے مقالہ نگاروں نے اپنے مقالے پیش کیا

دورازے کھولے کی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے عموماً تیار ہو اور عملی سلاشات سامنے آئیں گی۔ اس کانفرنس کے صدر ونے پال انجیا نے اپنی اسٹیٹ یونیورسٹی امریکہ اور دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں تہارت بصیرت اور خطاب میں سیدھا اشارہ کر دیا ہے۔ پروفیسر انجیا نے بتایا

فروع دینا ہی تحقیق کو سامنے لانا، سماجی شعور پیدا کرنا اور ماحول، زبان اور معاشرت کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا ہے۔ پروفیسر انجیا نے کہا کہ اس بات پر بھی زور دیا کہ ماحولیات سے متعلق مہارتیں صرف سائنسی سطح تک محدود نہیں رہنے چاہئیں، بلکہ

صحافت

لکھنؤ

موسمیاتی بے ترتیبی نے کرہ ارض کے لئے خطرے کی گھنٹی بجادی ہے: پروفیسر نے پال انیجا لینگو تاج یونیورسٹی میں ماحولیات اور معاشرہ کے عنوان سے دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس

لکھنؤ: خواجہ معین الدین لینگو تاج یونیورسٹی میں "ماحولیات اور معاشرہ" کے موضوع پر دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کا شاندار آغاز ہوا۔ اس افتتاحی اجلاس میں مختلف ممالک اور ہندوستان کی نامور جامعات سے آئے ہوئے ماہرین لسانیات، سماجی سائنس دان، پالیسی ساز، سائنس دان اور محققین مل کر مشترکہ طور پر حل کی تلاش کریں۔ انھوں نے مزید کہا کہ اس کانفرنس کا مقصد علمی مکالمے کو فروغ دینا، نئی تحقیق کو سامنے لانا، سماجی شعور پیدا کرنا اور

اس کانفرنس کے صدر نے پال انیجا (این سی اسٹیٹ یونیورسٹی امریکہ) دو روزہ بین الاقوامی کانفرنس کے افتتاحی اجلاس میں نہایت بصیرت افروز خطاب کرتے ہوئے دنیا میں بڑھتی ہوئی فضائی آلودگی، اس کے شدید نقصانات اور ماحولیاتی تبدیلی کے بڑھتے ہوئے خطرات پر سیر حاصل گفتگو کی۔ انھوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ فضائی آلودگی آج صرف ایک ماحولیاتی مسئلہ نہیں رہا بلکہ صحت، معیشت، زرعی پیداوار، شہری زندگی اور



ماہرین ماحولیات، سماجی علوم کے اسکالرز، محققین اور طلبہ نے بڑی تعداد میں شرکت کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اے بیجی نے استقبالیہ کلمات پیش کرتے

عالمی پائیداری کے لیے ایک پیچیدہ چیلنج بن چکا ہے۔ صنعتی ترقی، گاڑیوں کا بڑھتا ہوا استعمال، فوسل فیول کا بے تحاشا جلاؤ، جنگلات کی کٹائی، اور شہری توسیع نے فضائی آلودگی کی شدت میں بے حد اضافہ کر دیا ہے۔ پروفیسر انیجا نے بتایا کہ دنیا کے کئی بڑے خطے، خصوصاً جنوبی ایشیا، مشرقی ایشیا اور افریقہ، آج پی ایم 2.5 اور پی ایم 10 جیسے ذرات کی بلند ترین سطح کا شکار ہیں جو انسانی جسم میں داخل ہو کر سانس کی بیماریوں، دل کے عوارض، پیچھڑوں کے سرطان، قبل از وقت اموات اور بچوں کی نشوونما میں رکاوٹ جیسے خطرناک اثرات کا باعث بنتے ہیں۔

ماحول، زبان اور معاشرت کے باہمی تعلق کو سمجھنے کے لیے نئی راہیں تلاش کرنا ہے۔ پروفیسر اے بیجی نے اس بات پر بھی زور دیا کہ ماحولیات سے متعلق مباحثے صرف سائنسی سطح تک محدود نہیں رہنے چاہئیں، بلکہ ان کا معاشرتی رویوں، ثقافتی تناظر، زبانوں کے ارتقا اور انسانی نفسیات سے بھی گہرا ربط ہے۔ استقبالیہ خطاب کے اختتام پر انہوں نے امید ظاہر کی کہ یہ دو روزہ کانفرنس بین الاقوامی تعاون کو مضبوط کرے گی، نئی تحقیق کے دروازے کھولے گی اور ماحول دوست معاشرے کی تشکیل کے لیے ٹھوس تجاویز اور عملی سفارشات سامنے آئیں گی۔

ہوئے تمام مہمانان گرامی، محققین اور شرکاء کا تہہ دل سے استقبال کیا۔ انہوں نے مہمانوں کی آمد پر شکریہ ادا کرتے ہوئے کانفرنس کی اہمیت، مقصد اور موجودہ عالمی تناظر میں اس کے لازمی کردار پر روشنی ڈالی۔ ڈاکٹر مشرانے کہا کہ عصر حاضر میں ماحولیات نہ صرف ایک سائنسی مسئلہ ہے بلکہ ایک سماجی، معاشی اور ثقافتی چیلنج بھی بن چکا ہے۔ آب و ہوا کی تبدیلی، جنگلات کی تیزی سے کٹائی، آبی وسائل کی کمی، آلودگی اور موسمیاتی بے ترتیبی براہ راست انسانی معاشرے کی ساخت، رویوں اور طرز زندگی کو متاثر کر رہی ہے۔ ایسے میں ضروری ہے کہ

December 2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० वॉयस ऑफ लखनऊ, लखनऊ दिनांक 06 DEC 2025

प्रो. अनेजा ने पर्यावरण असंतुलन को रोकने का किया आह्वान

लखनऊ। ख्वाजा मुइनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय के फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग की पर्यावरण विज्ञान शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रतिष्ठित व्याख्यान माला के दूसरे दिवस का केंद्र विषय रहा ग्रीनहाउस गैसों और उनका वैश्विक पर्यावरण पर प्रभाव। यह व्याख्यान शृंखला विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत विकास जैसे समसामयिक विषयों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विमर्श के लिए आयोजित की जा रही है।

व्याख्यान के इस अवसर पर अमेरिका के सॉथ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले के डिपार्टमेंट ऑफ मारीन, अर्थ एंड एटमोस्फेरिक साइंसेज के प्रतिष्ठित प्रोफेसर प्रो. विनय

पी. अनेजा ने प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. अनेजा ने अपने संबोधन की शुरुआत विद्यार्थियों और शिक्षकों को अभिवादन के साथ की तथा पृथ्वी की वायुमंडलीय संरचना और उस पर बढ़ते ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों वैश्विक ऊष्मीकरण की गति को चिंताजनक रूप से बढ़ा रही हैं। रिविशंकर केक्लाइमेंट फोर्सिंग मॉडल का उल्लेख करते हुए प्रो. अनेजा ने कहा कि वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 420 पीपीएम, मीथेन की 1934 पीपीडी तथा नाइट्रस ऑक्साइड की 337 पीपीडी तक पहुंच चुकी है।

खाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय में एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी (आईसीईएस 2025) की 7वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी जलवायु परिवर्तन से बड़े शहरों में बढ़ीं चुनौतियां: दयाशंकर सिंह

पर्यावरण के मुद्दे पर पूरे विश्व में सहमति बनाना जरूरी: कुलपति प्रो. अजय तनेजा एनडीएस संवाददाता



लखनऊ। खाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी (आईसीईएस 2025) की 7वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वजह से शहरों में चुनौतियां बढ़ गई हैं। इसलिए हमें पर्यावरण सुधार की दिशा में प्रभावी कदम उठाने होंगे। परिवहन मंत्री ने कहा कि पिछले 200 साल के दौरान हुई औद्योगिक क्रांति की वजह से पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव किए जा सकते हैं, इसलिए हमें अभी से उपाय

करने होंगे। मंत्री ने कहा कि डीजल बसों से पर्यावरण को काफी अधिक नुकसान होता है। इसलिए उन्होंने अपने विभाग इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया। लखनऊ में पर्यावरण के स्तर में सुधार के पीछे इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ना भी एक बड़ी वजह है। अभी तक 15 शहरों में ही इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होता था। अब इनकी संख्या बढ़कर 43 हो गई है। जल्द ही प्रदेश के सभी जनपदों में इन बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर पूरे विश्व में आम सहमति

बनाना जरूरी है। कुलपति ने पूरी दुनिया से सेमिनार में शामिल होने आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। लोकसेवा आयोग के सदस्य एके वर्मा ने कहा कि पर्यावरण जैसे मुद्दे हमें वैश्विक सोच रखनी होगी। राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनानी होगी, स्थानीय स्तर पर काम करना होगा और व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता फैलानी होगी। ग्लोकल एनवायरनमेंट एंड एसोसिएशन के अध्यक्ष एमडी गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण मानवता के अस्तित्व से जुड़ा सवाल है। कार्यक्रम के दौरान ग्लोकल एनवायरनमेंट एंड एसोसिएशन की ओर से संस्था के संस्थापक राकेश कुमार वर्मा की याद

पोधे को मिलता है उर्वरक का सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा: अनेजा अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले के समुद्री, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान विभाग के प्रो. धिनय पी अनेजा ने कहा कि कृषि में इस्तेमाल होने वाली उर्वरक का सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा ही पोधे को मिलता है। वहीं 70 फीसदी हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इसकी वजह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। प्रो. अनेजा ने कहा कि रीएक्टिव नाइट्रोजन एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। नाइट्रोजन (पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 78 फीसदी पाया जाता है। उच्च तापमान और दबाव पर नाइट्रोजन गैस को हाइड्रोजन गैस के साथ उत्प्रेरक की उपस्थिति में अभिकृत करके अमोनिया बनाया जाता है। यही अमोनिया उर्वरक का आधार होती है। उत्पादन बढ़ाने के लिए उर्वरक का काफी इस्तेमाल होता है। इसकी वजह से वातावरण से नाइट्रोजन भी कम हो रहा है। नाइट्रोजन की कमी पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और जनसंख्या की वजह से नाइट्रोजन का बेतहाशा दोहन किया जा रहा है। इसलिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। ऐसा न करने पर पानी, ओजोन और मिट्टी सभी के गंभीर नुकसान पहुंचेंगे। संरक्षण हेतु राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, अमेरिकी विश्वविद्यालय अमेरिका, ईसीआरडी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, हिस्सार (हरियाणा), वैश्विक पर्यावरण एवं सामाजिक संघ (जेसा) की ओर से किया गया सम्मेलन का संयोजन डॉ. नतिनी मिश्रा एवं डॉ. राज कुमार सिंह ने किया।

2 of 8 राज-काज तिजारत

जलवायु परिवर्तन से बड़े शहरों में बढ़ीं चुनौतियां : दयाशंकर सिंह

खाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय में एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी (आईसीईएस 2025) की 7वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

पर्यावरण के मुद्दे पर पूरे विश्व में सहमति बनाना जरूरी : कुलपति प्रो. अजय तनेजा

लखनऊ। खाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी (आईसीईएस 2025) की 7वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वजह से शहरों में चुनौतियां बढ़ गई हैं। इसलिए हमें पर्यावरण सुधार की दिशा में प्रभावी कदम उठाने होंगे। परिवहन मंत्री ने कहा कि पिछले 200 साल के दौरान हुई औद्योगिक क्रांति की वजह से पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव किए जा सकते हैं, इसलिए हमें अभी से उपाय



हमें अभी से उपाय करने होंगे। मंत्री ने कहा कि डीजल बसों से पर्यावरण को काफी अधिक नुकसान होता है। इसलिए उन्होंने अपने विभाग इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया। लखनऊ में पर्यावरण के स्तर में सुधार के पीछे इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ना भी एक बड़ी वजह है। अभी तक 15 शहरों में ही इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होता था। अब इनकी संख्या बढ़कर 43 हो गई है। जल्द ही प्रदेश के सभी जनपदों में इन बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर पूरे विश्व में आम सहमति बनाना जरूरी है। कुलपति ने पूरी दुनिया से सेमिनार में शामिल होने आए



प्रतिनिधियों का स्वागत किया। लोकसेवा आयोग के सदस्य एके वर्मा ने कहा कि पर्यावरण जैसे मुद्दे हमें वैश्विक सोच रखनी होगी। राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनानी होगी, स्थानीय स्तर पर काम करना होगा और व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता फैलानी होगी। ग्लोकल एनवायरनमेंट एंड एसोसिएशन के अध्यक्ष एमडी गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण मानवता के अस्तित्व से जुड़ा सवाल है। कार्यक्रम के दौरान ग्लोकल एनवायरनमेंट एंड एसोसिएशन की ओर से संस्था के संस्थापक राकेश कुमार वर्मा की याद में लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड की शुरुआत की गई। इस साल यह अवार्ड डॉ. क्षेत्रपाल गंगवार को दिया गया। समारोह के दौरान पर्यावरण मंत्री को अमेरिकन यूनिवर्सिटी की ओर से मानद उपाधि प्रदान की गई। सम्मेलन का आयोजन खाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय, जलवायु परिवर्तन मंत्री को अमेरिकन यूनिवर्सिटी की ओर से संस्था के संस्थापक राकेश कुमार वर्मा की याद में लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड की शुरुआत की गई। इस साल यह अवार्ड डॉ. क्षेत्रपाल गंगवार को दिया गया। समारोह के दौरान पर्यावरण मंत्री को अमेरिकन यूनिवर्सिटी की

पोधे को मिलता है उर्वरक का सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा : अनेजा अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले के समुद्री, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान विभाग के प्रो. धिनय पी अनेजा ने कहा कि कृषि में इस्तेमाल होने वाली उर्वरक का सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा ही पोधे को मिलता है। वहीं 70 फीसदी हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इसकी वजह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। प्रो. अनेजा ने कहा कि रीएक्टिव नाइट्रोजन एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। नाइट्रोजन (पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 78 फीसदी पाया जाता है। उच्च तापमान और दबाव पर नाइट्रोजन गैस को हाइड्रोजन गैस के साथ उत्प्रेरक की उपस्थिति में अभिकृत करके अमोनिया बनाया जाता है। यही अमोनिया उर्वरक का आधार होती है। उत्पादन बढ़ाने के लिए उर्वरक का काफी इस्तेमाल होता है। इसकी वजह से वातावरण से नाइट्रोजन भी कम हो रहा है। नाइट्रोजन की कमी पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और जनसंख्या की वजह से नाइट्रोजन का बेतहाशा दोहन किया जा रहा है। इसलिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। ऐसा न करने पर पानी, ओजोन और मिट्टी सभी के गंभीर नुकसान पहुंचेंगे। संरक्षण हेतु राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, अमेरिकी विश्वविद्यालय अमेरिका, ईसीआरडी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, हिस्सार (हरियाणा), वैश्विक पर्यावरण एवं सामाजिक संघ (जेसा) की ओर से किया गया सम्मेलन का संयोजन डॉ. नतिनी मिश्रा एवं डॉ. राज कुमार सिंह ने किया।

'पीएम 2.5 कण प्रमुख जोखिम कारक'

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग की ओर से गुरुवार को दो दिवसीय एमिनेंट लेक्चर श्रंखला की शुरुआत हुई। विशिष्ट वक्ता नार्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले (यूएसए) के मरीन, अर्थ एंड एटामास्फेरिक साइंसेज विभाग के

प्रो. विनय पी. अनेजा उपस्थित रहे। उन्होंने वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) के बारे में बताते हुए कहा कि पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) कण, जो पूर्व में नौवें प्रमुख जोखिम कारक थे, वह वर्ष 2018 तक बढ़कर प्रमुखतम जोखिम कारक बन चुके हैं। इस अवसर पर डा. नलिनी मिश्रा, डा. बृजेश कुमार द्विवेदी, डा. सुमन कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

संविदा शिक्षकों के 57 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने 14 विभागों में स्व-वित्तपोषित योजना के अंतर्गत एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर के 57 संविदा पदों पर भर्ती के लिए शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी करते हुए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी। आवेदन फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर दिए गए समर्थ पोर्टल के लिंक के माध्यम से भरे जा सकेंगे। इसके लिए अंतिम तिथि 26 दिसंबर निर्धारित की गई है।

जारी गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि इससे पहले के किसी भी विज्ञापन के तहत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को नया आवेदन करना अनिवार्य होगा। किसी भी पूछताछ के लिए अभ्यर्थी ई-मेल recruitment0124sfs@kmclu.ac.in या हेल्पलाइन नंबर 8009751631 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने जारी किए आनलाइन आवेदन फार्म, अंतिम तिथि 26 दिसंबर

अजय तनेजा ने बताया कि आवेदन समर्थ पोर्टल के माध्यम से होंगे। भर्ती प्रक्रिया राजभवन और यूजीसी के नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी।

विभागवार इन पदों पर भर्ती : फ्रेंच दो, अंग्रेजी तीन, इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी दो, गणित एक, पर्यावरण विज्ञान दो, भौतिक विज्ञान दो, रसायन एक, विद्युत अभियांत्रिकी दो, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी चार, जंतु विज्ञान एक, जैव प्रौद्योगिकी दो, जैव प्रौद्योगिकी चार, यांत्रिकी अभियांत्रिकी छह, व्यवसाय प्रशासन विभाग छह, वाणिज्य चार, विधि विभाग चार, संस्कृत दो, सिविल अभियांत्रिकी पांच, सूक्ष्म जैविकी विभाग दो व हिंदी विभाग दो।

प्रदेश

भाषा विवि में दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फ़ैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग-पर्यावरण विज्ञान द्वारा 4 एवं 5 दिसंबर 2025 को àßminent Lecture Series का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. विनी पी. अनेजा, डिपार्टमेंट ऑफ़ मरीन, अर्थ एंड एटमॉस्फेरिक साइंसेज़, नॉर्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी, रैले (यूएसए) ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रो. अनेजा ने वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) तथा वर्तमान वैश्विक पर्यावरणीय परिदृश्य में इसकी बढ़ती महत्ता पर अत्यंत ज्ञानवर्धक व वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि PM 2.5 कण, जो पूर्व में नौवें प्रमुख जोखिम कारक थे, वर्ष 2018 तक



बढ़कर प्रमुखतम जोखिम कारक बन चुके हैं, जो नीति-निर्माण और जन-जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता को रेखांकित करता है।

व्याख्यान में उन्होंने निम्न प्रमुख विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की- मेरिका के क्लीन एयर एक्ट का विकास, नियामक ढांचा और उसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

सूर्य से उत्सर्जित विकिरण का स्पेक्ट्रम तथा पृथ्वी के वायुमंडल के साथ उसकी अंतःक्रिया। वायुमंडल की गैसीय संरचना और स्थिर जलवायु हेतु आवश्यक प्राकृतिक संतुलन। ग्रीनहाउस गैसों एवं वैश्विक

ऊष्मीकरण के पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्यगत प्रभाव। वायुमंडलीय मिश्रण की प्रक्रिया और उसके माध्यम से गैसों के प्रसार का वायु गुणवत्ता पर प्रभाव। ओजोन संबंधी दुविधा-स्ट्रैटोस्फियर में ओजोन क्षय एवं ट्रोपोस्फियर में ओजोन निर्माण। प्रो. अनेजा के व्याख्यान को विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और प्राध्यापकों द्वारा इसकी वैज्ञानिक गहराई, स्पष्टता और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के लिए विशेष सराहना मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मुख्य संरक्षक के रूप में की।

December 2025

लखनऊ, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

08

पर्यावरण प्रदूषण रोकने को नीति निर्माण जरूरी

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग की ओर से दो दिवसीय व्याख्यान शुरू हुआ। वायु गुणवत्ता एवं वैश्विक पर्यावरण चुनौतियों पर हुए व्याख्यान के पहले दिन यूएस रैले के नॉर्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रो. विनी पी. अनेजा ने कहा कि पीएम 2.5 कण पूर्व में प्रमुख जोखिम कारक थे, वर्ष 2018 तक बढ़कर प्रमुखतम जोखिम कारक बन चुके हैं, इससे पता चलता है कि नीति निर्माण की बहुत जरूरत है।

www.jagran.com

सात तक बढ़ी तिथि

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर के आंतरिक, प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा के अंकों को पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि बढ़ाकर सात दिसंबर तक कर दी है। परीक्षा नियंत्रक विकास ने बताया कि यह अंक समर्थ पोर्टल पर लागू इन के माध्यम से अपलोड करने होंगे। (जासं)

December 2025

लखनऊ | शुक्रवार • 05.12.2025

रउजाला

7

भाषा विवि : जल्द जारी होगा परिणाम

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय की ओर से मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. रुचिता ने बताया कि परिणाम की घोषणा जल्द ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर की जाएगी। (संवाद)

December 2025

भाषा विवि: विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के फ़ैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (FoET) के बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

इस अवसर पर कैंपस में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम

के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने एचआईवी/एड्स जागरूकता, बचाव एवं सामाजिक दायित्व से जुड़े विषयों पर अपने रचनात्मक विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक संवेदनशीलता तथा वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का सफल संचालन संकाय के निदेशक डॉ. आर. के. त्रिपाठी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला के मार्गदर्शन में हुआ।



टर्म एंड परीक्षा में दो शिफ्टों में 1,782 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा



अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आज आयोजित टर्म एंड परीक्षाओं में कुल 1,782 विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज की। प्रथम पाली में 894 विद्यार्थी तथा द्वितीय पाली में 888 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय परिसर में परीक्षा व्यवस्था शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संचालित हुई। परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और व्यवस्था की निगरानी के लिए डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. ममता शुक्ला, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. विवेक बाजपेयी और मोहम्मद शारिक ने सभी

परीक्षा-कक्षों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुनिश्चित किया कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कुलपति ने भी परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर संपूर्ण तैयारियों का मूल्यांकन किया और परीक्षा की पारदर्शी एवं अनुशासित व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण उपरांत डॉ. नीरज शुक्ला ने कहा कि परीक्षाओं को नकलविहीन, अनुशासित और पारदर्शी वातावरण में आयोजित करना विश्वविद्यालय की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी के सहयोग से आज की परीक्षा पूरी शुचिता के साथ सम्पन्न हुई।



केएमसी भाषा विवि में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

निरीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाएं सोमवार से शुरू हुईं। विवि प्रशासन के अनुसार पहले दिन 1475 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। दोनों पालियों में कुल 39 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ी। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्रश्नपत्र वितरण, बैठने की व्यवस्था और अनुशासनात्मक प्रावधानों की समीक्षा की। परीक्षा संचालन केंद्राध्यक्ष डॉ. आरके त्रिपाठी ने किया, सहायक केंद्राध्यक्ष डॉ. हेमंत सिंह, डॉ. उदय सिंह, डॉ. प्रीति नवेल

साइबर सिक्योरिटी निजी सुरक्षा से जुड़ा जरूरी मुद्दा

भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्षता कर रहे विषय प्रभारी डॉ. मजहर खालिक ने कहा आज साइबर सुरक्षा निजी सुरक्षा से जुड़ा जरूरी मुद्दा है।

और डॉ. दिशा पांडेय रहीं। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अताउर रहमान ने कहा कि आगामी परीक्षाएं भी इसी पारदर्शिता, निष्पक्षता और अनुशासन के साथ सम्पन्न कराई जाएंगी।

